बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
# बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका
DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। गुरूवार, 02 जनवरी 2025 | सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

## संक्षिप्त समाचार

### नए साल पर केंद्र ने दिया किसानों को तोहफा, खाद पर सब्सिडी बढ़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

नए साल में मोदी सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक किसानों के नाम रही है। साल के पहले दिन बुधावार को हुई बैठक में डीएपी फर्टिलाइजर के लिए स्पेशल पैकेज को मंजूरी दी गई। इसके तहत फर्टिलाइजर बनाने वाली कंपनियों को सरकार की ओर से सब्सिडी भी दी जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा यह सब्सिडी (स्पेशल पैकेज) 31 दिसंबर 2025 तक दी गई है।केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि किसानों को डीएपी का 50 किलो का बैग 1,350 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। यह 'वन टाइम पैकेज' काफी महत्वपूर्ण है। पड़ोस के देशों में डीएपी का 50 किलो का बैग तीन हजार रुपये से ज्यादा में मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में भले ही कैसे भी स्थिति आ जाए हमें अपने किसानों को सुरक्षित करना है। उनके ऊपर बोझ नहीं डालना है। उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की है कि डीएपी के नाम पर कुछ लोग किसानों को ठगने का प्रयास करेंगे। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर कोई ऐसा करते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि इस पैकेज पर लगभग 3,850 करोड़ रुपये की लागत होगी। साल 2014 से लेकर अब तक कोविड-19 का वह दौर भी आया जब स्थिति काफी खराब थी। लेकिन, हमारी सरकार और पीएम मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव का खामियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ रुपये थी जो 2004-14 के दौरान दी गई सब्सिडी से दोगुनी से भी अधिक है।कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों के लिए न रोकी जा सकने वाली प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी। इसके अलावा, योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग से पारदर्शिता और दावा गणना और निपटान में वृद्धि होगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 824.77 करोड़ रुपये की राशि के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (एफआईएटी) के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

### प्रख्यात कार्टूनिस्ट हरीश चंद्र शुक्ला 'काक' नहीं रहे

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

देश के ख्यातिलब्ध कार्टूनिस्ट हरीश चंद्र शुक्ला 'काक' नहीं रहे। 16 मार्च 1940 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के पुरा गांव में जन्मे काक ने बुधवार सुबह गाजियाबाद में अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने इसकी पुष्टि की है। शोकाकुल उनके पुत्र सुभव शुक्ला ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर गाजियाबाद में हिंडन नदी के तट पर बने श्मशान घाट पर कर दिया गया। वो अपने परिवार के साथ वैशाली में रहते थे। काक देश के उन दुर्लभ कार्टूनिस्ट्स में से एक हैं, जिन्होंने हिंदी भाषा के प्रमुख समाचार पत्रों जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, दैनिक जागरण और राजस्थान पत्रिका आदि से जुड़कर कार्टून जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने व्यंग्य की अनोखी शैली ईजाद की। काक ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और जटिल राजनीतिक विषयों को सरलता से आम आदमी से जोड़कर अपने कार्टून में प्रस्तुत किये। कार्टूनिस्ट क्लब आॅफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष काक के लिए उनके काटूर्नों का स्वर्णिम काल 1983 से 1990 के बीच रहा। इस दौर में अधिकतर पाठक अखबार पढ़ने से पहले उनके कार्टून देखते थे और फिर खबर पढ़ते थे। सुभव ने अपने पिता के फेसबुक अकाउंट पर लिखा, "भारी मन से मैं अपने पिता प्रख्यात कार्टूनिस्ट काक (हरीश चंद्र शुक्ला) के निधन की सूचना दे रहा हूं। वह 01 जनवरी. 2025 की सुबह हमें छोड़कर चले गए। उन्हें सुबह पांच बजे अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ। उन्हें तत्काल मैक्स हॉस्पिटल वैशाली ले जाया गया। वहां उन्होंने आखिरी सांस ली। उनका निधन हमारे जीवन में एक गहरा खालीपन छोड़ गया है।ॐ शांति।" काक मूलतः मैकेनिकल इंजीनियर और उनके पिता शोभा नाथ शुक्ला प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे। कार्टूनिस्ट काक को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। उन्हें 2003 में हिंदी अकादमी दिल्ली ने काका हाथरसी सम्मान प्रदान किया। 2009 में कार्टून वॉच के महोत्सव में उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया।

# नव वर्ष का जश्न मनाने मंदार पर्वत पर उमड़े पर्यटक

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**बौंसी/बांका।** नव वर्ष 2025 के दिन बुधवार को लोगों ने पूजा पाठ के साथ पिकनिक में खूब मस्ती की। इस दौरान पिकनिक करने आए लोगों ने रोपवे, बोटिंग, स्विमिंग पूल आदि का लुफ्त उठाया। मुख्य रूप से मंदार हिल में सुबह से ही लोगों की काफी भीड़ लगी रही। मंदार धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से बांका ही नहीं देश के प्रमुख पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। यह तीन धर्मों का संगम स्थल माना जाता है। 750 फीट ऊंचे इस पर्वत के बारे में पुराण और महाभारत में कई कहानियां प्रचलित है। इनमें से एक कहानी ऐसी है कि देवताओं ने अमृत प्राप्ति के लिए असुरों के साथ मिलकर मंदार पर्वत से समुद्र मंथन किया था, जिसमें कालकूट विष के साथ 14 रत्न निकले थे। जिसको लेकर मंदार लोगों की मस्ती और आनंद का सबसे बड़ा आकर्षण केंद्र बना रहा। जिसे देखने के लिए विभिन्न जगहों के हर कोने से सैलानी पहुंचे हुए थे। एक जनवरी बुधवार को मौसम साफ होने के कारन काफी संख्या में लोग दो पहिया व चार पहिया वाहनों से मंदार पर पहुंचकर भ्रमण व पिकनिक कर नव वर्ष का आनंद उठाया। मंदार से लेकर पर्वत शिखर तक लोग कतार में लगे हुए थे। मंदार पर्वत के हर तरफ दिन भर लोगो की भीड़ लगी रही। सैलानियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन की ओर से काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मंदार पर्वत पर चढ़ने के लिए रोपवे का लोगों ने खूब आनंद उठाया। पापहरणी में लोगों ने वोटिंग का लुफ्त उठाया। ठंड के बावजूद भी बांका के पिकनिक स्पॉट में लोगों की काफी भीड़ लगी रही। सुबह से ही पिकनिक स्पॉट गुलजार रहे। जगह-जगह मोबाइल से समूह की फोटोग्राफी और सेल्फी लेने में लोग व्यस्त थे। जिले में नए वर्ष पर खूब धमाल हुआ। लोगों ने पुराने वर्ष को विदाई दी और नए वर्ष का स्वागत किया। लोगों ने जमकर गीत, संगीत, डीजे की धुन पर नृत्य व मस्ती के साथ ही आतिशबाजी भी की। पूजा अर्चना के बाद सभी पिकनिक स्पॉट पहुंचे जहां वनभोज हुआ। पिकनिक करने आए लोगों ने अद्भुत नजारों के साथ हरी-भरी वादियों का आनंद लिया।

# भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ नववर्ष का जश्न

## विद्यापतिधाम के उगना-महादेव मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**विद्यापतिनगर।** प्रखंड मुख्यालय स्थित विद्यापतिधाम उगना-महादेव मंदिर में सर्द हवाओं के बीच पूरे उत्साह के साथ नए साल का जश्न भोलेनाथ पर जलाभिषेक के साथ शुरू हुआ। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर था। अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं का जत्था मंदिर पहुंचने लगा था, यह सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा। वहीं दूसरी ओर नए साल के जश्न को लेकर लोग एक-दूसरे से मिलकर व फेसबुक व व्हाटसएप के जरिए नए साल की शुभकामना देने का दौर दिनभर चलता रहा। खास बात यह रही कि प्रखण्ड वासियों ने नए साल की शुरूआत धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों में भगवान के दर्शन व पूजा-पाठ के साथ शुरू की।

- मंदिर परिसर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

लोग अपने परिवार के साथ विद्यापतिधाम आकर भगवान के दर्शन कर नववर्ष का इस्तकबाल किया।नववर्ष के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोलेनाथ के दर्शन और आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी रही,ज्यादा भीड़ की वजह से श्रद्धालुओं को कुछ समय रोककर प्रवेश दिया गया। वहीं मंदिर परिसर में भी दिन भर मेला लगा रहा। मंदिर की पार्किंग और सड़कें वाहनों से पटी रही। जिससे स्टेशन रोड में वाहन रेंगते नजर आए तो वही स्थानीय लोगों का दोपहिया वाहनों से भी कहीं आना-जाना दूभर हो रहा था। हालांकि मंदिर के प्रवेश द्वार पर वाहनों को कुछ देर रोकरोकर मंदिर में प्रवेश दिया गया बावजूद इसके दिनभर ब्लॉक रोड से स्टेशन रोड तक कई जगह लोग जाम में फंसे नजर आए।

### समस्तीपुर: हरपुर बोचहा में कचरा उठाव को ले दिया गया ठेला

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**विद्यापतिनगर।** प्रखंड के हरपुर बोचहा पंचायत में पहली जनवरी को लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत कर्मियों के बीच ठेला, वर्दी आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया प्रेमशंकर सिंह एवं पर्यवेक्षिका सोनालिका कुमारी ने फीता काटकर संजुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुखिया प्रेमशंकर सिंह ने कहा कि समाज को स्वस्थ एवं स्वच्छ रखने के लिए कचरा का उठाव ज़रूरी है। उन्होंने कचरा उठाव कर्मियों के साथ लोगो से भी कचरा को डस्टबीन में रखने और उठाव कर्मियों को समय पर देने का अहवान किया। पर्यवेक्षक सोनालिका कुमारी ने कहा की समाज को साफ़ रखने में घर की महिलाओं की भूमिका अहम होती है। तभी गांव साफ़ और स्वस्थ रहेगा। इस अवसर पर मुखिया प्रेमशंकर सिंह ने पंचायत के पंद्रह वार्डो के 3239 परिवारों के पंद्रह वार्डो में ठेला के साथ सभी को वर्दी आदि के वितरण कर पंचायत को साफ़ रखने का आह्वान किया गया। मौक़े पर इन्द्रकांत सिंह, परमानंद चौरसिया, बिरजू पासवान, सुशील पासवान, नरेश महतो सहित सभी वार्ड सदस्य और सचिव आदि थे।

# दिव्यांग शगुफ्ता परवीन को समाजसेवी ने दिया सिलाई मशीन

## पूर्व में शगुफ्ता प्रवीण को राज्यपाल दे चुके हैं अवार्ड



**दैनिक बिहार पत्रिका**

**डेहरी। रोहतास।** शहर के जक्खी बिगहा में नए साल के अवसर पर समाजसेवी कक्कू खान द्वारा शगुफ्ता परवीन को एक सिलाई मशीन दिया गया। बारह पत्थर के इमाम चौक के नजदीक की रहने वाली दिव्यांग छात्रा शगुफ्ता परवीन पढ़ाई के मामले में अपने लगन और मेहनत के बदौलत हमेशा ऊंचाई को छुआ है, जिसका परिणाम मिला कि बिहार के राज्यपाल द्वारा उसको गोल्ड मेडल के साथ प्रमाण पत्र एवं सम्मान प्राप्त हुआ है। शगुफ्ता परवीन ने बताया कि उसने हमेशा पढ़ाई में पूरी ताकत लगाई है। एक तरफ दिव्यांग होना और दूसरी तरफ परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद भी अपने दम पर पढ़ाई करते हुए हमेशा अव्वल रही। दशम वर्ग व इंटर में प्रथम श्रेणी की परीक्षा में टॉपर हुई वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी (आरा) से 74 अंक प्राप्त किया। दिव्यांग छात्र होकर भी हौसला बनाए रखी। अकेले यात्रा करते हुए कॉलेज करना, वर्तमान समय में परेशानी होती है। लेकिन मेरे घर परिवार के लोगों में पढ़ाई को लेकर काफी खुशी था, मैं हमेशा टॉप करती गई, इसलिए मेरा भी हौसला बढ़ता रहा। कहां की ऊपर वाला से कामना करेंगे कि वर्ष 2025 में कक्कू खान डेहरी का विधायक बने। ताकि डेहरी विकास के मानचित्र पर बिहार में नंबर वन हो, और आम- आवाम की सेवा होते रहे। कक्कू खान ने भविष्य में भी सहयोग करने का आश्वासन दिया। मौके पर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स अध्यक्ष बबल कश्यप, शाहनवाज खान, पंकज उर्फ गुड्डू गुप्ता, गुड्डू चौधरी, दानिश खान, पप्पू खान, समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

### 137 होमगार्ड जवान एक साथ हुए सेवानिवृत्त, जवान साथियों ने दी भावभीनी विदाई

- सेवा निवृत होने पर जिला अध्यक्ष कैलाश झा को सम्मानित करते गृह रक्षक के जवान

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**समस्तीपुर।** जिला मुख्यालय स्थित बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ भवन परिसर में, बिहार गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के जवानों के सेवानिवृत्ति के मौके पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आज इस विदाई समारोह के माध्यम से जिले के सेवानिवृत्त कुल 137 जवानों को पाग माला व चादर देकर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त होने वाले होमगार्ड जवानों में बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ समस्तीपुर के अध्यक्ष कैलाश कुमार झा का नाम भी शामिल रहा। इस दौरान विदाई समारोह में मौजूद होमगार्ड के जवानों ने, अपने संघ के अध्यक्ष को फूल व मालाओं से लाद दिया। इस दौरान दर्जनों होमगार्ड के जवानों ने संघ के जिलाध्यक्ष कैलाश कुमार झा को पाग, माला, चादर व बुके देकर सम्मानित किया। आयोजित इस समारोह को संबोधित करते हुए बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ समस्तीपुर के अध्यक्ष ने कहा कि, बड़े दुख की बात है कि, आज के इस विदाई समारोह में उनके विभाग के जिला समादेष्टा महोदय कार्यालय में कार्यरत नही हैं। उनलोगों का विदाई समारोह महासमादेष्टा के अनुसार जिला समादेष्टा के द्वारा किया जाना था, लेकिन दिन के दो बजे तक वह अपने कार्यालय में पदस्थापित नही हैं, ऐसे समादेष्टा से गृह रक्षक क्या उम्मीद कर सकते हैं ? क्या वह अधबटैया का खेती करने आए हैं ? इसलिए निकट भविष्य में ऐसे जिला समादेष्टा के स्थानांतरित होने तक धरना प्रदर्शन पर भी बैठेंगे। मौके पर उपाध्यक्ष चंदन कुमार पांडेय, रामाशंकर मुखिया, उपसचिव अरूण कुमार साह, संगठन सचिव प्रमोद कुमार सिंह, राम एकबाल ठाकुर, प्रवीण कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष रौशन प्रसाद, कार्यालय सचिव श्याम पासवान व रामाधार राय सहित सैकड़ों की संख्या में गृहरक्षक मौजूद थे।

## एक नज़र इधर भी

### छत से गिरकर दस वर्षीय बच्ची की मौत, कोहराम

**दैनिक बिहार पत्रिका, बांका**। जिले के धोरैया थाना क्षेत्र के बारकोप डेरु गांव में पक्के के छत पर से गिरकर एक बच्ची की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बारकोप डेरु निवासी विकास यादव की करीब 10 वर्षीय पुत्री मनीषा कुमारी अपने छत पर थी। इसी दौरान वह छत पर से किसी तरह गिर पड़ी । चापाकल के चबूतरा पर गिरने से उसके सिर में गंभीर रूप से चोट लग जाने की बात बताई जाती है। आनन-फानन में परिजनों द्वारा उसे धोरैया अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक द्वारा किशोरी को मृत घोषित करने के साथ ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया।

### जन्मदिन पर समाजसेवी द्वारा गरीबों के बीच बांटा गया कंबल

**दैनिक बिहार पत्रिका, फुल्लीडुमर/बांका**। 1 जनवरी 2025 बुधवार को जन्मदिन के अवसर पर फुल्लीडुमर बाजार के समाजसेवी अमित कुमार सिंह के द्वारा समारोह पूर्वक जन्मदिन मनाया गया। तत्पश्चात जन्मदिन के अवसर पर समाजसेवी अमित कुमार सिंह के द्वारा गरीब और असहाय व्यक्तियों के बीच घर घर जाकर एक दर्जन से ज्यादा कंबल, फल ,मिठाई आदि का वितरण कर किया गया तथा उनके चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त किये। वही इस संबंध में अमित ने बताया कि प्रति वर्ष जन्मदिन के अवसर पर उनके द्वारा गरीब एवं असहाय व्यक्तियों के बीच साड़ी, कंबल, फल, मिठाई आदि का वितरण किया जाता रहा है। वहीं इस अवसर पर समाजसेवी प्रभास कुमार यादव, सुबोध बाबा, पूर्व पंसस अनंत साह, मंगल मंडल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

### नव वर्ष के मुख्य मछली की हुई खूब खरीदारी

**दैनिक बिहार पत्रिका, चांदन/बांका**। नव वर्ष के मौके पर चांदन बाजार सहित भैरोगंज बाजार दिन भर गुलजार बना रहा। दो दिनों से लगातार जारी पछिया हवा और कड़ाके कि ठंड के बीच 2025 का नव वर्ष पर लोग मंदिर में पूजा पाठ किया। और मुर्गा मछली का पार्टी देकर खुशियां मनाया। जबकि हर साल कि भांति इस वर्ष मछली का भाव न्युनतम ₹150 से तीन सौ रुपए किलो बिका, जबकि खस्सी का मीट ₹700 और मुर्गा का भाव ₹150 रहा। मुर्गा दुकानदार सुचित उड ने नव वर्ष का शुभकामना देते हुए कहा इस बार लोगों ने मुर्गा मछली कि ख़ूब खरीददारी किया।

### मरीजों के बीच फल वितरण कर विकास माली ने मनाया जन्मदिन

**दैनिक बिहार पत्रिका, गया**। कन्या विवाह एवं विकास सोसाइटी के सचिव विकास माली ने अपने जन्मदिन और नववर्ष 2025 के आगमन पर 1 जनवरी को सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरित कर समाजसेवा का उदाहरण पेश किया है। इस मौके पर उन्होंने कहा, ₹समाज के वंचित वर्गों की सेवा करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य है। मेरे जन्मदिन पर इससे बड़ा तोहफा और कुछ नहीं हो सकता कि मैं जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान ला सकूं। विकास माली ने आगे बताया कि उनकी संस्था गरीब कन्याओं की शादी करवाने के साथ-साथ महिलाओं के सशक्तिकरण और रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने नववर्ष पर एक नई पहल की घोषणा करते हुए कहा, ₹नए साल में हम समाज के हर वर्ग तक अपनी सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि गढ़वा में किसी भी मरीज को रक्त की कमी के कारण परेशानी न हो। इसी उद्देश्य से इस साल बड़े स्तर पर रक्तदान कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इस आयोजन में संस्था के कई सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने विकास माली को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके साथ समाजसेवा में अपना योगदान देने का वादा किया है। विकास माली ने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे आगे आएं और महिलाओं के सशक्तिकरण तथा गरीबों की मदद के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा, ₹अगर हम सब मिलकर समाज के लिए काम करेंगे, तो एक बेहतर और समान अवसरों वाला भविष्य बना सकेंगे। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने विकास माली की सराहना करते हुए कहा कि वे गढ़वा में सामाजिक कार्यों के प्रतीक बन चुके हैं और उनके प्रयासों से कई जरूरतमंदों का जीवन बेहतर हुआ है।

# सर्द हवाओं पर भारी पड़ा युवाओं का उत्साह, नववर्ष के जश्न को ले खचाखच भरा रहा पिकनिक स्पॉट

## सिमरी के सूर्य बिहार वार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, देर शाम तक झूमते रहे लोग

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**विद्यापतिनगर**। प्रखंड क्षेत्र में शीतलहर व सर्द हवाओं पर नववर्ष का उत्साह भारी पड़ा। भीषण ठंड के बावजूद जगह-जगह युवाओं की टोली पिकनिक मनाने में व्यस्त रही। प्रखंड अंतर्गत सिमरी गांव में नवनिर्मित सूर्य बिहार पार्क में सैकड़ों लोगों ने एक साथ नववर्ष का जश्न मनाया। मुखिया देवंती देवी द्वारा तैयार किए गए पिकनिक स्पॉट का उद्घाटन जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी के आप्त सचिव रजनीकांत चौधरी उर्फ़ बबलू ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिकनिक स्पॉट बनने और कार्यक्रम मनाने से लोगो में एक जुटता और भाईचारा बढ़ता है।

• मेला का उद्घाटन करते अतिथि व अन्य

• पिकनिक के लिए पार्क में जुटी भीड़

उन्होंने ऐसे आयोजन के लिए मुखिया देवंती देवी और ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि समय-समय पर इस तरह के आयोजन में लोगों का स्वस्थ मनोरंजन भी होता है। युवा जदयू के ज़िला अध्यक्ष विशाल कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक पंचायत में इस प्रकार का पार्क बनाया जाना चाहिए, जिससे मनोरंजन के साथ-साथ पर्यावरण की भी रक्षा होगी। इस अवसर पर मुखिया देवंती देवी के सौजन्य से उनके पुत्र विजय कुमार ने क़रीब पांच दर्जन लोगो को अंगवस्त्र व माला पहनाकर सम्मानित किया। पिकनिक स्थल पर मनोरंजन को ले आयोजित दुगोला कार्यक्रम में पटना के व्यास शंभु राय और धमौन के उमेश व्यास की टीम के द्वारा एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसका आनंद लोगो ने देर शाम तक लिया। वहीं पिकनिक मनाने आए लोग दिनभर अपनी पकवान के साथ चटपटी दुकानों का भी मज़ा ले रहे थे। उधर हरपुर बोचहा के दुमरदह चौर स्थित प्रेम बिहार पार्क में भी भारी भीड़ लगी रही। जहां खान-पान के साथ लोग डांस का भी भरपूर आनंद ले रहे थे। जैसे जैसे दिन चढ़ता गया पार्क में युवक, युवतियों के साथ महिला और पुरुषों की भीड़ बढ़ती गई। भीड़ को नियंत्रित करने व शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर थानाध्यक्ष फिरोज आलम के नेतृत्व में पुलिस बल जगह-जगह तैयार दिखी। मौक़े पर राम उदग़र महतो, विजय कुमार, अशोक सिंह, उमेश राय, आलोक कुमार, रितेश सिंह, संजय कुमार, संतोष कुशवाहा, विमल राय आदि मौजूद थे।

# प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पिकनिक स्थलों पर युवाओं ने धूमधाम से मनाया नए साल का जश्न

## विद्यालय के 100 फीट की दूरी पर चल रहे कई अवैध बूचड़खाने से छात्रों पर पड़ रहा प्रतिकूल असर, पदाधिकारी मौन

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**फुल्लीडुमर/बांका**। 1 जनवरी 2025 बुधवार को नए साल के जश्न को लेकर फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के प्रकृति की गोद में अवस्थित बिलासी बांध, मध्यगिरी बांध , फुल्लीडुमर बड़की बांध ,झरना पहाड़ी, कुमारपुर पहाड़ सहित प्रखंड के अन्य जंगली क्षेत्र में युवाओं की टोली द्वारा बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ नया साल का जश्न मनाया गया। जानकारी के अनुसार नए साल को लेकर प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध बाजार फुल्लीडुमर ,खेसर, गोड़ा, भितिया, तेलिया मोड सहित अन्य बाजारों में दिनभर मछली, मुर्गा, मीट, किराना, सब्जी आदि के दुकानों पर खरीदारी हेतु युवाओं की भीड़ लगी रही। वहीं नए वर्ष को लेकर प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने जमकर मिठाई ,कपड़े, मछली मुर्गा, मीट, किराना दुकान के सामान आदि की खरीदारी की। वहीं वन क्षेत्र में युवाओं की टोली द्वारा बाजे गाजे के साथ जंगली क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के भोजन एवं व्यंजन बनाकर उसका आनंद उठाते हुए दिन भर प्रकृति की गोद में नाचते थिरकते देखे गए। वही नए साल के जश्न को शांतिपूर्वक संपन्न कराने एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर फुल्लीडुमर थाना अध्यक्ष बबलू कुमार के नेतृत्व में एवं खेसर थाना अध्यक्ष बलवीर विलक्षण के नेतृत्व में अपने-अपने थाना क्षेत्र में पुलिस वालों द्वारा सक्रिय रूप से गस्ती करते देखा गया। वहीं नए साल को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न प्राचीन शिव मंदिरों में पूजा अर्चना हेतु दिनभर श्रद्धालु भक्तजनों की भी भीड़ लगी रही जहां लोगों ने ईश्वर की पूजा अर्चना कर लोगों ने जीवन की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। जानकारी के अनुसार प्लस टू उच्च विद्यालय फुल्लीडुमर, सरस्वती शिशु मंदिर ,धर्मवीर पब्लिक स्कूल फुल्लीडुमर एवं खेसर बाजार में भी विद्यालय के करीब एक सौ मीटर की दूरी पर मुख्य सड़क पर चल रहे कई अवैध बूचड़खाने में मुर्गा, बकरे, मछली आदि की कटाई से जहां विद्यालय के छोटे छोटे बच्चों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है वही प्रखंड प्रशासन के पदाधिकारी की उदासीनता से पढ़ाई करने वाले छात्रों में विभिन्न प्रकार की बुराइयां फैल रही है जिसे देखने वाला कोई नहीं।

# हैवान बना पति: पत्नी को घुमाने के बहाने लाया,सीने पर घुटना रख पत्थर से कुचला सिर

**दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन**

**बांका**। जिले के बौंसी प्रखंड अंतर्गत बंधाआकुरवा थाना अंतर्गत चांदन डैम से गुरुवार को एक महिला का शव पुलिस ने बरामद किया है। प्रथम दृष्टांत मामला हत्या से जुड़े प्रतीत हो रहा है। उक्त महिला की हत्या कर शव को बड़े पत्थर के नीचे छुपा दिया गया था। स्थानीय लोगों की नजर जब शव पर पड़ी तो इसकी सूचना बधुआकुरवा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही बंधुआकुरवा थाना एसएचओ राजकुमार साह दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। मृतिका की पहचान जिले के जयपुर थाना अंतर्गत नारायणपुर गांव निवासी तुलसी यादव की 23 वर्षीय पत्नी मीना देवी के रूप में की गई है। मृतका के परिजन ने थाने में दिए तहरीर के अनुसार मृतका के पति तुलसी यादव एक दोस्त गांव के ही पंचू यादव के पुत्र रंजीत यादव 26 दिसंबर को मृतिका को लेकर चांदन डैम घूमने लाया था। मौका पाते ही दोनों के द्वारा मृतिका को धक्का देखकर व पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्याकांड के प्राथमिक अभियुक्त झकसु यादव के पुत्र तुलसी यादव को नारायणपुर स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलवक्त आग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

### जिला पदाधिकारी ने नए साल की शुभकामनाएं और बधाई दी

वैशाली के जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने नव वर्ष 2025 के आगमन पर जिलावासियों, पदाधिकारियों और कर्मियों को नए साल की शुभकामनाएं और बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि नए वर्ष में नई ऊर्जा एवं उत्साह के साथ हम सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए वैशाली जिला को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रखने में भागीदार बने। नव वर्ष के पहले दिन जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा ने नगवां ग्राम का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह,डीडीसी कुंदन कुमार, एसडीएम,सदर रामबाबू बैठा, जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी नीरज सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

### देशवासियों की कल्याण और भारत के सतत विकास के लिए मनीष मिश्रा ने की प्रार्थना

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**गया**। नव वर्ष 2025 के आगमन पर , भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सह प्रभारी, डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने भाजपा नेताओं के साथ नववर्ष 2025 के अवसर पर पूजा-अर्चना कर सभी देशवासियों के कल्याण और भारत के सतत विकास के लिए प्रार्थना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को विकास की गंगोत्री बताते हुए उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व की प्रशंसा की। डॉ. मिश्रा ने गया जी के ऐतिहासिक महत्व और इसके विकास पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु और भगवान बुद्ध की भूमि गया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए कई विकास योजनाओं पर काम हो रहा है। गया विष्णु कॉरिडोर और बुद्ध कॉरिडोर जैसी परियोजनाएं न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगी बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में भी योगदान देंगी।उन्होंने कहा कि गया का रेलवे स्टेशन भी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और परिवहन सुविधा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। इसके अलावा, भारत सरकार और बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं, जैसे कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, सड़क निर्माण, और रोजगार सृजन कार्यक्रम, से गया और पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा रहा है। जनता से अपील की कि वे सरकार की विकास योजनाओं का समर्थन मैं सहयोग करें और एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गयाजी का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास₹ के दृष्टिकोण का साकार रूप है। नववर्ष पर यह संदेश पूरे देश को प्रेरित करता है। नव वर्ष के बधाई शुभकामनाएं देने वालों में जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता राणा रणजीत सिंह संतोष ठाकुर मंटू कुमार बबलू गुप्ता महेश यादव कुंदन सिंह।

### आधुनिक शिक्षा प्रणाली में कृत्रिमता

**दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन**

**बांका** । आधुनिक शिक्षा का तात्पर्य ज्ञान प्रदान करने और सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन और वीडियो प्लेटफ़ॉर्म जैसी उन्नत तकनीक के उपयोग से है। भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के कई लाभ हैं। इनमें से अधिकांश नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी का परिणाम हैं। यह वाक्य इस बात पर जोर देता है कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में कृत्रिमता या बनावटीपन है, जो वास्तविक ज्ञान और समझ की कमी को दर्शाता है। यह वाक्य आधुनिक शिक्षा प्रणाली की एक महत्वपूर्ण आलोचना है। यह कहता है कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में कृत्रिमता या बनावटीपन है, जो वास्तविक ज्ञान और समझ की कमी को दर्शाता है। इसका मतलब है कि शिक्षा प्रणाली में अधिक जोर रट्टा मारने, परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने और डिग्री प्राप्त करने पर दिया जा रहा है, बजाय इसके कि वास्तविक ज्ञान और समझ को बढ़ावा देने पर। यह वाक्य शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर जोर देता है, ताकि छात्रों को वास्तविक ज्ञान और समझ प्राप्त हो सके, न कि केवल कृत्रिम या बनावटी ज्ञान। भारत की शिक्षा व्यवस्था में कुछ समस्याएं हैं सबसे बड़ी समस्या है महंगाई जिनका समाधान अब तक आधुनिक तकनीक, नीतियाँ और संज्ञानात्मक प्रयासों के माध्यम से किया जा रहा है। कुछ ऐसी समस्याएं हैं जैसे शिक्षकों की प्रशिक्षण की गुणवत्ता, डिजिटल शिक्षा का प्रसार, शिक्षा सामग्रियों की अद्यतन, और शिक्षा सेवाओं की पहुंच में असमानता। प्राचीन शिक्षा प्रणाली प्रेम पर आधारित थी जबकि आधुनिक शिक्षा प्रणाली प्रतियोगिता पर आधारित है। राजपुत्र कृष्ण दोनों पढ़ते थे। गुरु का प्रेम दोनों पर समान रूप से बरसता था । शिष्यों में भी इसी कारण परस्पर प्रेम पल्लवित पुष्पित होता था। छात्रों को एक अनूठा सीखने का अनुभव बनाने के लिए अभिनव उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके पढ़ाने की एक विधि को आधुनिक शिक्षण पद्धति कहा जाता है। रटने की बजाय, ये विधियाँ आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इनका उद्देश्य छात्रों में संज्ञानात्मक और अवधारण क्षमताओं को बढ़ावा देना है। लार्ड मैकाले भारत में आधुनिक शिक्षा का जन्म दाता माना जाता है। आधुनिक शिक्षा-प्रणाली का ढाँचा पराधीनता के वातावरण में तैयार हुआ था। उद्देश्य लोगों को सभ्य तथा उत्तम नागरिक बनाना नहीं था, बल्कि शासन के पुर्जे लिपिकों को पैदा करना था। शिक्षा-प्रणाली में ऐसे निकम्मे तथा निरर्थक विषयों का समावेश है, जो विद्यार्थियों के मस्तिष्क पर केवल बोझ हैं।

## एक नज़र इधर भी

### एसपी अशोक मिश्रा ने हथौड़ी थानाध्यक्ष मोनू राय को किया निलंबित

**दैनिक बिहार पत्रिका,समस्तीपुर।** एसपी अशोक मिश्रा ने हथौड़ी थाना अध्यक्ष मोनू राय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है। बताया गया है कि हथौड़ी थाना अध्यक्ष के विरुद्ध एक ऑडियो वायरल हुआ था। जिसमें किसी के घर में शराब रखकर फंसाने की बात कही जा रही थी.जिसकी जांच रोसड़ा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा किया गया। जिसके बाद एसपी अशोक मिश्रा ने मोनू राय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

### चौक पर बैठकर ताश खेलते वीडियो वायरल होने पर दरोगा को एसपी ने किया लाइन क्लोज

**दैनिक बिहार पत्रिका,समस्तीपुर।** एसपी अशोक मिश्रा ने सिंघिया थाना में पदस्थापित दरोगा संजय यादव को तत्काल प्रभाव से लाइन क्लोज कर दिया है। इसको लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। बताया गया है कि दरोगा संजय यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह एक चौक पर बैठकर ताश खेलते हुए देखे गए थे। हालांकि इस दौरान वह वर्दी में नहीं थे। लेकिन शिकायत मिलने पर एसपी अशोक मिश्रा ने कर्तव्य के प्रति उनकी भूमिका संदिग्ध पाते हुए तत्काल पुलिस केंद्र समस्तीपुर भेज दिया है तथा वायरल वीडियो की जांच के लिए सत्यापन कराया जा रहा है।

### नववर्ष में कुश्ती प्रतियोगिता हुई आयोजित,कुंदन पहलवान बना रामगामा आखाड़ा का विजेता

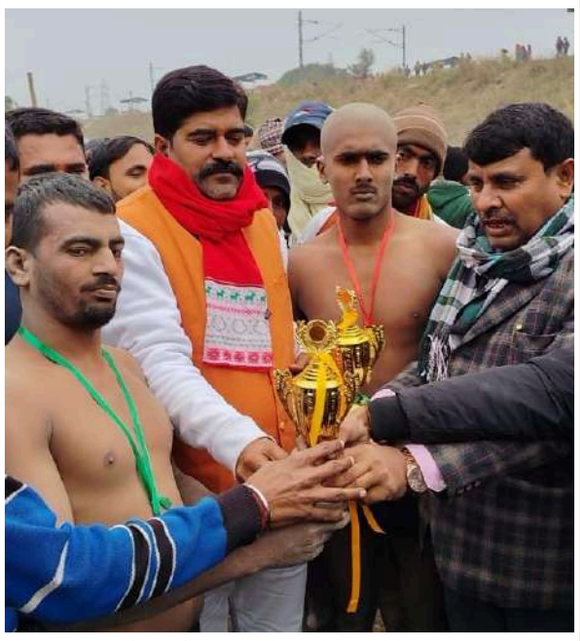

विजेता और उप विजेता को कप देते अतिथि

**दैनिक बिहार पत्रिका,समस्तीपुर।**मोहिउद्दीननगर प्रखंड के कल्याणपुर बस्ती पूरब पंचायत के रामगामा मे कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फाइनल मुकाबले मे कुंदन पहलवान को विजेता व मिथलेश पहलवान को उपविजेता घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता मे पटोरी, भदैया, रोसरा, मोहनपुर, कोनेला, महमदपुर, समथाँ, राजाजान के दर्जनों पहलवानो ने भाग लिया। सेमीफाईनल सेमीफाइनल में रोसरा के अभिषेक कुमार से कुरसाहा के रमेश कुमार, मकदुमपुर के कुंदन व कुरसाहा बीपीन, मोहनपुर के मिथिलेश व भदैया के रूपेश पहलवान बीच सेमीफाइनल सम्पन्न हुआ। कई राउंड के बाद फाइनल मुकाबला मोहनपुर के मिथिलेश पहलवान व मकदमपुर के कुंदन पहलवान के बीच खेला गया। दोनों की जोड़ी की कुश्ती काफ़ी समय तक बराबरी पर रही। जिसमे आयोजक मंडल एवं रेफरी के द्वारा कुंदन को विजेता व मिथिलेश को उपविजेता घोषित किया गया। विजेता व उपविजेता पहलवान को जन सुराज नेता राज कपूर सिंह एवं माकपा नेता मनोज प्रसाद सुनील ने संयुक्त रूप से कप प्रदान किया। कुश्ती का आयोजन युवा क्लब रामगामा के किशन कुमार राय, अमरजीत राय, सुनील कुमार राय, मनी भूषण राय, सचिन कुमार द्वारा किया गया। रेफरी अजित पहलवान थे। निर्णायक मण्डल मे रामजी राय, सुखल महतो, रामबाबू राय, शंकर पहलवान, रंजीत राय, राकेश राय, राज बलि राय, राम बहादुर राय आदि मौजूद थे।

# समस्तीपुर: बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के खिलाफ छात्र संगठन ने निकाला मशाल जुलूस

### 3 जनवरी को मुख्यमंत्री के आवास घेराव में समस्तीपुर से बड़ी संख्या छात्र-युवा पटना कूच करेंगे-आइसा

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**समस्तीपुर।**बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के दोषियों पर कारवाई करने, पुनर्परीक्षा लेने, गिरफ्तार छात्रों को रिहा करने आदि की मांगों को लेकर अपने राज्यव्यापी आंदोलन के तहत समस्तीपुर में आइसा-आरवाईए, एआइएसएफ समेत अन्य वाम जनवादी छात्र-युवा संगठनों ने मशाल जुलूस निकालकर बिहार सरकार द्वारा किया जा रहा कारवाई का विरोध किया।बुधवार की संध्या बड़ी संख्या में आइसा-आरवाई, एआइएसएफ आदि संगठनों के कार्यकर्ता शहर के स्टेडियम गोलंबर के पास ईकट्ठा होकर अपने-अपने में मशाल लेकर मशाल जुलूस निकाला। बीपीएससी पुनर्परीक्षा की गारंटी करो, छात्रों पर लाठीचार्ज के दोषियों पर कारवाई करो, गिरफ्तार

मशाल जुलूस में शामिल छात्र संगठन के कार्यकर्ता

छात्रों को रिहा करो, प्रतियोगिता परीक्षा का पेपर लीक पर रोक लगाओ आदि नारे लगाते हुए जुलूस जिला मुख्यालय का भ्रमण करते हुए मुफस्सिल थाना के पास पहुंचकर जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज ने किया। संचालन जिला सचिव सुनील कुमार ने किया। सभा को आइसा राज्य अध्यक्ष प्रीति रॉय पटेल, द्रख्शां जबीं, जानवी कुमारी, अनिल कुमार, मो० फैयाज, नीतीश राणा, संजीव कुमार उर्फ गोलू, गौतम कुमार सैनी, धीरज कुमार, विशाल कुमार, विवेक सिंह, मो० तौसीफ, नीरज कुमार, सुधीर कुमार, मनीष कुमार, बबलू कुमार समेत आइसा जिला प्रभारी सुरेंद्र प्रसाद सिंह, एआईएसएफ के अभिषेक कुमार, अनिल कुमार आदि ने संबोधित किया।अपने संबोधन में राज्य अध्यक्ष प्रिती ने कहा कि भाजपा-जदयू के नीतीश सरकार का इकबाल खत्म हो गया। सरकार वेंटीलेटर पर है। सरकार की कोई अधिकारी तक नहीं सुनता है। 74 आंदोलन के उपज नीतीश कुमार आज हक-अधिकार के लिए लड़ने वाले छात्रों पर लाठियां चलवा रहे हैं। यह बिहार है, तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करता है। ऐसी सरकार को 2025 के चुनाव छात्र- युवा सत्ता से बेदखल कर लाठीचार्ज का बदला लेगी।

## प्रतिभा को पंख देगा मंदार महोत्सव

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**बांका ।**मंदार महोत्सव 2025 के अवसर पर दिनांक 03.01.2025 को समय 11:00 बजे पूर्वाहन में चन्द्रशेखर सिंह नगर भवन, बांका में स्थानीय कलाकारों का ऑडिशन निर्धारित किया गया है। विदित हो कि उक्त ऑडिशन के लिए दिनांक 02.01.2025 तक सभी पंजीकृत कलाकारों का आवेदन जिला पारगमन शाखा, बांका में जमा कर सकते हैं। सभी उम्मीदवार ऑडिशन में अपना नाम सूचीबद्ध करा सकते हैं और चयनित उम्मीदवारों को मंदार महोत्सव 2025 में अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा।

## रात को घर पर गया था राजेश, सुबह गांव के पास बरगद के पेड़ से लटका मिला शव

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**बांका।** जिले के अमरपुर प्रखंड के बैजूडीह पंचायत अन्तर्गत नंदलालपट्टी के समीप बगीचे में अवस्थित बरहर के पेड़ से मंगलवार की सुबह 19 वर्षीय एक युवक का शव लटकता देख ग्रामीण क्षेत्रो में हलचल मच गई। घटना की सुचना मिलते ही राय पोखर,गढ़ैल,कुल्हरिया समेत अन्य गांव से ग्रामीणो की भीड़ घटना स्थल पर उमड़ गई। मृतक की पहचान नंदलालपट्टी वार्ड नंबर चौदह निवासी सीताराम सिंह का 19 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार के रूप में हुई। शव की शिनाख्त होने पर मृतक की मां शीला देवी समेत अन्य परिजन दहाड़ मारते घटना स्थल पर पहुंच गये। मौके पर मौजूद मृतक के पिता सीताराम सिंह ने बताया कि उनका पुत्र करीब दो वर्षो से मानसिक विक्षिप्तता का शिकार हो गया था। जिस कारण वह कोई काम नहीं कर पाता था। मंगलवार की सुबह करीब छह बजे उन्होंने अपने पुत्र को प्रतिदिन भोजन बर्बाद करने से रोका था। थोड़ी देर के बाद करीब सात बजे सुबह उनका पुत्र घर से निकल गया। पुत्र के घर से निकलने के एक घंटे के बाद ग्रामीणो से सुचना मिली कि उनके पुत्र का शव गांव के समीप स्थित बगीचे में बरहर के पेड़ से लटका हुआ है। घटना की सुचना मिलने पर थाने में पदस्थापित दारोगा राजेश चौधरी, दारोगा युगल कुमार दास पुलिस

बलो के साथ घटना स्थल पर पहुंच गये तथा ग्रामीणो की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतारकर शव का पंचनामा करते हुए पुलिस अभिरक्षा में शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनो का रो -रोकर बुरा हाल देखा गया. मौके पर मौजूद ग्रामीणो ने बताया मृतक चार बहनो का इकलौता भाई था। मृतक की बहन संगीता कुमारी,उषा कुमारी ,रीता कुमारी का विवाह हो चुकी है। जबकि मृतक की छोटी बहन रूबी कुमारी की विवाह के लिए मृतक के पिता दिनभर मेहनत कर पुत्री की विवाह के लिए पैसो के इंतजाम करने में जुटे हुए थे। मृतक अविवाहित था। थानाध्यक्ष पंकज कुमार झा ने बताया कि नंदलालपट्टी गांव के समीप बरहर के पेड़ से लटका एक युवक का शव मिला है। मृतक के गले में मॉफलर का फंदा बंधा हुआ था। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया गया है। मृतक के परिजनो की फर्द बयान पर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

### महर्षि मेंही आश्रम मे मुख्य गेट एवं चहारदीवारी का उद्घाटन किया

**दैनिक बिहार पत्रिका,पूर्णिया।** नया साल 2025 एक जनवरी को पूर्णिया मधुबनी श्री संतमत सत्संग महर्षि मेही आश्रम में विधायक निधि से निर्मित मुख्य गेट एवं चाहर दिवारी निर्माण कार्य का उद्घाटन विधायक विजय खेमका ने किया । उद्घटान स्थल पर स्वामी शभूचेतन जी महाराज, स्वामी अमितानंद जी महाराज, स्वामी शेलेन्द्र बाबा, उत्तम सिंह गोपाल सिन्हा ने श्रीफल तोड़ धार्मिक विधान को पूरा किया । आश्रम में संत शिरोमणि सद्गुरु श्री महर्षि मेही परमहंस जी महाराज जी को पुष्प अर्पित कर विधायक ने नमन किया तथा संतो से आशीर्वाद लिया । विधायक ने मरंगा भास्कर नगर में सौ शैया( बेड) वाले संचालित सरकारी सहारा वृद्धाआश्रम का मुआयना किया तथा आश्रम में रह रहे माता पिता समान वृद्धजनो से मिलकर उनकी कठिनाई से अवगत हुए । केयर टेकर को साफ सफाई रखने तथा खान पान चिकित्सीय जांच को शीघ्र व्यवस्थित करने का निर्देश दिया । विधायक श्री खेमका ने कहा नया वर्ष 2025 का पूर्णिया विकसित और आत्म निर्भर को सार्थक करने वाला पूर्णिया बनेगा।

## पुलिस ने 188.000 लीटर कोडिंगयुक्त कफ़ सिरप के साथ विभिन्न जगहों से शराब किया बरामद

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**बांका।** राजौन थानान्तर्गत खिड्डी गाँव के पास अ०नि० दीपक महतो के नेतृत्व में कुल 188.000 लीटर कोडिंगयुक्त कफ़ सिरप के साथ अभियुक्त युगल किशोर सिंह, पे०- स्व० बचनेश्वर प्रसाद सिंह सा०-खिड्डी ,थाना-रजौन , जिला-बांका, उम्र 64 वर्ष करीब को गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर पंजवारा थानान्तर्गत पंजवारा चेक पोस्ट के पास प्र०स०अ०नि०म० सरस्वती कुमारी के नेतृत्व में अभियुक्त सचिन कुमार , पे०-जानकी प्रसाद यादव , सा०- कझिया,थाना- बाँका , जिला-बाँका ,उम्र 22 वर्ष करीब को 04.125 लीटर अवैध विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही शंभुगंज थानान्तर्गत पौकरी गाँव के पास प्र0स0अ0नि0 अश्विनी कुमार पासवान उत्पाद थाना बाँका के नेतृत्व में एक अभियुक्त अनुज कुमार सिंह, पे0-शुभकलाल प्रसाद सिंह, सा0-गढी मोहनपुर, थाना-शंभुगंज, जिला-बाँका, उम्र-32 वर्ष करीब को कुल-01.500 लीटर अवैध विदेशी

शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर धोरैया थानान्तर्गत धोरैया चेक पोस्ट के पास प्र0स0अ0नि0 नरेश पासवान उत्पाद थाना बाँका के नेतृत्व में एक अभियुक्त सज्जाद आलम, पे0-जहीरुद्धीन, सा0-गोनरचक, थाना-धोरैया, जिला-बाँका, उम्र-49 वर्ष करीब को कुल-00.375 लीटर अवैध विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। खेसर थानान्तर्गत रमसरैया मोड़ के पास प्र0स0अ0नि0 नेहा कुमारी उत्पाद थाना कटोरिया (बाँका) के नेतृत्व में दो अभियुक्तों को क्रमशः (1) राहुल कुमार पाठक, पे0-रविन्द्र पाठक, सा0-कानीमोड, थाना-शंभुगंज, जिला-बाँका, उम्र-29 वर्ष करीब एवं (2) राजा कुमार उर्फ अंकित कुमारए पे0-अजय मिश्र, सा0-कानीमोड, थाना-शंभुगंज, जिला-बाँका, उम्र-24 वर्ष करीब को कुल-02.000 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में कुल-03 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से वे जुर्माना देकर मुक्त किय गये।

# आग तपने के दौरान ए एन एम झुलसी, इलाज के क्रम में मौत

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**बांका।** जिले के बेलहर प्रखंड क्षेत्र के खरौंधा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आग से झुलसी 50 वर्षीय ए एन एम कल्पना कुमारी का पटना में इलाज के दौरान मंगलवार को निधन हो गया। बीते 19 दिसंबर की रात में खरौंदा अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र स्थित आवासीय कमरे में गैस चूल्हा हीटर से आग तपने के दौरान ए एन एम कल्पना कुमारी झुलसकर गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। जिन्हें इलाज के लिए बेलहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जहां चिकित्सक ने जख्मी ए एन एम को बर्न एम्स अस्पताल पटना रेफर कर दिया गया था। घटना 19 दिसंबर 10:30 बजे रात की बताई जाती है। बताया गया कि रात कल्पना कुमारी का पति और पुत्र एक कमरे में सोया था। जबकि बरामदे में सोई ए एन एम कल्पना कुमारी गैस हिटर में आग ताप रही थी। इसी दौरान उनके कपड़े में आग पकड़ लिया और पूरा शरीर को लपेटे में ले लिया। इसके बाद शोर मचाकर पति और पुत्र को जगाया और खुद ही एंबुलेंस को सूचना देकर बुलाई थी।

### श्रद्धांजलि देने वालों का लगा तांता

बुधवार की सुबह 7:00 बजे दिवंगत एएनएम कल्पना कुमारी के पार्थिव शरीर को खरौंधा अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लाया गया। जहां चिकित्सा स्वास्थ्य कर्मी और आम लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया। ए एन एम कल्पना कुमारी के आकस्मिक निधन पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी संजीव कुमार पूर्व प्रभारी डॉक्टर अनिल कुमार सिंह डॉ राम बहादुर डॉ एस एम शुक्ला डॉ खेमानी डॉ गोपाल राम डॉ संजय सिंह स्वास्थ्य प्रबंधक भारत भूषण चौधरी बीसीएम नाजिम उद्दीन प्रभु राम सहित ए एन एम आशा कार्यकर्ता सहित आम लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

## नव वर्ष पर कवि सम्मेलन का किया गया आयोजन

**दैनिक बिहार पत्रिका**

नव वर्ष के शुभ अवसर पर मां कात्यायनी के प्रांगण में जिला हिंदी भाषा साहित्य परिषद के बैनर तले नव वर्ष कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय उपविकास आयुक्त अभिषेक कुमार पलासिया जी ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम का संचालन संगीता चौरसिया ने किया तथा अध्यक्षता अवधेश्वर प्रसाद सिंह ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में पूर्णिया से आए डॉ० के० के०चौधरी,उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद कार्यक्रम की शुरुआत की गई। विदित हो कि दिवंगत साहित्यकार कैलाश झा किंकर ने ही मां कात्यायनी के प्रांगण में 27 वर्ष पहले इस कार्यक्रम की शुरुआत की।हर वर्ष 1 जनवरी को कवि सम्मेलन हिंदी भाषा साहित्य परिषद के बैनर तले निर्बाध रूप से चलता आ रहा है।जिसमे पूरे बिहार से साहित्यकार आकर कविता पाठ करते हैं और मां कात्यायनी की पूजा के उपरांत कवि सम्मेलन में भाग लेते हैं।इस कार्यक्रम में अनेक जिले से आए कवि भाग लिए और कविता पाठ किए। डॉ०सुनील कुमार मिश्र ने कहा कि कैलाश झा किंकर के द्वारा शुरू किया गया यह कवि सम्मेलन हर वर्ष नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है।आए हुए सभी साहित्यकारों को पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया ।घंटों चले इस कवि सम्मेलन में कविता की धारा बहती रही और श्रोता कविताओं का आनंद लेते रहे।कविता पाठ करने वालों कवियों में ,अमर शंकर झा सुब्बा( बेगूसराय), डॉ०सुनील कुमार मिश्र, डॉ०पुष्पा मिश्रा, विकास कुमार विधाता,चंपा राय, के० के० चौधरी,साधना भगत,संगीता चौरसिया,जगदूत के संपादक अरुण कुमार वर्मा, अवधेश्वर प्रसाद सिंह,पंकज पांडेय,,शशि शेखर,मधु कुमारी,आदि कवि उपस्थित हुए।

# चांदन प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ नव वर्ष का त्यौहार

### आकर्षण का केंद्र बना रहा पिकनिक स्पॉट झझवा झरना

**दैनिक बिहार पत्रिका**

**चांदन/बांका।** जिले के चांदन प्रखंड अंतर्गत आनंदपुर थाना के पिकनिक स्पॉट झझवा झरना, एवं भैरोगंज बाजार से महज एक किलो मीटर दूर घने जंगल के बीच बहती जल धारा कि गोद में बसे प्राकृतिक चट्टानों बकसुनिह्या गुफा के अलावा राम कृष्ण मठ के करीब लट्टू पहाड़ में आज दिन भर पिकनिक स्पॉट बना रहा , वहीं लट्टू पहाड़ के करीब पौराणिक राजा कोठी सैलानियों के लिए आकर्षक का केंद्र बना रहा। वहां दूर दराज के लोग पहुंच कर पिकनिक मनाया और खूब सैलफी लिए।उसी तरह भैरोगंज बाजार से महज चार किलोमीटर दूर केन्दुआर गांव अवस्थित झझवा झरना पहाड़ के इर्द गिर्द लोगों ने नव वर्ष के मौके पर पिकनिक मनाया। और प्राकृतिक चट्टानों के बीच बहती जलधारा का आनंद उठाया। नव वर्ष के मौके पर लड़कों कि टोलियों ने सामुहिक रूप में डीजे बजा कर खुशियां मनाएं, कुछ लोग साकाहारी भोजन पका कर नव वर्ष मनाया तो कुछ लोग मीट मुर्गा भात पार्टी देकर मनाया। जबकि झझवा झरना पहाड़ अवस्थित पुराणिक गुफा,छल छल कल कल करती धारा एवं चट्टानों का लुत्फ उठाया। साथ ही पहाड़ कि तराई से निकलते जल का पान करते हुए सैलानियों ने कहा कि यह जल औषधि से भरा हुआ है। इसका सेवन करने से शरीर में बहुत तरह कि लाभ देती है। बता दें बांका जिला के अलावा जमूई जिला से पहुंचे सैलानियों ने नव वर्ष के मौके पर झझवा झरना पहाड़ अवस्थित बना 123 पद का नव निर्माण सीढ़ी का खुब प्रशंसा किया। तो कुछ लोगों ने पहाड़ के चारों ओर बांउड्री गार्ड वाल बनवाने का प्रस्ताव रखा। बताया कि झझवा झरना जिले के दुसरा पर्यटक स्थल है। यहां लोग पिकनिक मनाने ही नहीं बल्कि यहां बंगाली फिल्म का अक्सर सूटींग के लिए सीने स्टार पहुंचते हैं, यहां बांउड्री वाल और आने जाने का सुगम रास्ता बनाने कि आवश्यकता है।

# अब मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती : धोनी

**रांची (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने का कहना है कि उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती है। पहली बार अपने संन्यास को लेकर धोनी ने कोई बात कही है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि मुझे और समय मिलेगा पर अब नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि आप कुछ सोच समझ कर अपने फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब आपने फैसला ले लिया तो उसके बारे में सोचने का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए मैं भगवान की कृपा से अपने देश के लिए जो कुछ भी कर पाया उससे बहुत खुश हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने इस खेल से देश को गौरवान्वित करने की अपनी भूमिका निभा ली है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने सोचा था कि मुझे और समय मिलेगा पर यह थोड़ी निराशा की बात है कि मुझे ज्यादा समय नहीं मिला।

धोनी ने कहा कि संन्यास से लाभ भी हुआ है। अब मैं दोस्तों के साथ काफी समय बिता पाता हूं। मैं काफी अधिक मोटरसाइकिल सवारी कर सकता हूं। यह हालांकि लंबी यात्रा नहीं होती है। यह मुझे अच्छी लगती है। धोनी ने कहा कि यह अच्छा रहा, परिवार के साथ समय बिता पा रहा हूं। धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिनमें से उन्होंने 27 बार जीत हासिल की, 18 हारे और 15 ड्रा रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी प्रारुपों में भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंचा था। वह इतिहास में एकमात्र कप्तान है जिन्होंने आईसीसी के सभी तीन सीमित ओवरों के खिताब 2007 में टी20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीते हैं। धोनी ने 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की। भारतीय टीम ने इसमें 110 मैच जीते, 74 हारे और पांच मैच ड्रा रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 74 मैचों में भारत का नेतृत्व किया और टीम को 41 जीत दिलाई।धोनी ने जीवन में अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और करीबी दोस्तों को दिया है। संन्यास के बाद भी अब वह केवल आईपीएल ही खेलते हैं।

## दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने तोड़ा अपना ही विश्व रिकॉर्ड

**बार्सिलोना (एजेंसी)।** दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने महिलाओं की पांच हजार मीटर की दौड़ का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़कर कर्सा डेल्स नैसोस रोड रेस का खिताब जीता। बार्सिलोना में हुई इस दौड़ को 24 वर्षीय केन्याई खिलाड़ी ने 13 मिनट और 54 सेकंड में पूरा किया।

पेरिस ओलंपिक में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में स्वर्ण जीतने वाली चेबेट ने इसी दौड़ में एक साल पहले बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को 19 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। दौड़ के बाद चेबेट ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ। मुझे लगा कि मैं 14 मिनट से कम समय में दौड़ सकती हूं और मैं ऐसा करने में सफल रही। बार्सिलोना में दो दौड़ और दो विश्व रिकॉर्ड, क्या मैं इससे अधिक की उम्मीद कर सकती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान अगले वर्ष टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर है।'

## ऑस्ट्रेलिया का भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना अभी तक पक्का नहीं

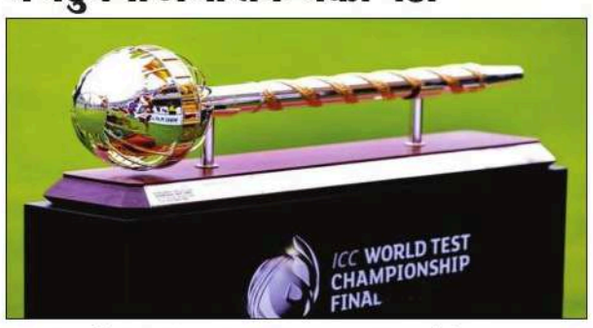


**मेलबर्न (एजेंसी)।** बॉक्सिंग डे टेस्ट में हार से जहां भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पर खतरा अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अगर भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोक देता है और उसके बाद श्रीलंका सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनो ही टेस्ट में हरा देती है तो श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।

मेलबर्न में हार से भारतीय टीम के अंक प्रतिशत तालिका में 55.89 से गिरकर 52.78 हो गए है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम पर अब 61.46 प्रतिशत अंक हैं।

वहीं पाकिस्तान पर जीत से दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय टीम अगर सिडनी में जीत दर्ज करती है तो उसके 55.26 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया के 54.26 प्रतिशत अंक रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका में एक भी टेस्ट जीत लेता है तो उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर तय हो जाएगी। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को बढ़ाया है और टीम अगले साल लाड्र्स में होने वाले फाइनल में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर है।

भारतीय टीम ने 2024-25 सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को स्वदेश में 2-0 से हराया था। इसके बाद हालांकि भारत का अभियान पटरी से उतर गया। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन मैच की श्रृंखला में 0-3 से करारी का सामना करना पड़ा और अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम 1-2 से पिछड़ रही है। रोचक बात यह है कि सिर्फ भारत के ऊपर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से बाहर होने का खतरा नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया भी बाहर हो सकता है। अगर भारत मेजबान को सिडनी में ड्रॉ खेलता है और उसके बाद पैट कमिंस की टीम श्रीलंका में दोनों टेस्ट हार जाए तो श्रीलंकाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी।

## बुमराह ने गेंदबाजी रैंकिंग में हासिल किए सबसे ज्यादा अंक, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

**दुबई (एजेंसी)।** भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में गेंदबाजी में 907 रेटिंग अंक का आंकड़ा छूकर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। बुमराह ने हाल में संन्यास लेने वाले स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ जिन्होंने 2016 में 904 अंकों की अपनी सर्वोच्च रेटिंग हासिल की थी।

बुमराह ने हाल में अश्विन की बराबरी की थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर वह नया भारतीय रिकार्ड बनाने में सफल रहे। बुमराह 907 रेटिंग अंकों के साथ सर्वकालिक सूची में इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुड के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। इस तेज गेंदबाज ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में नौ विकेट हासिल किए थे जिससे उन्होंने गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था।

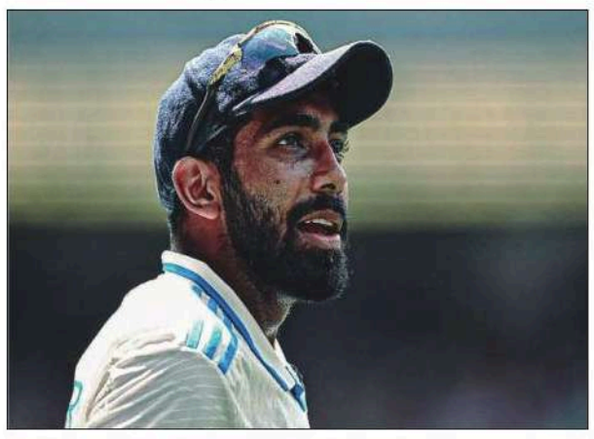

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एमसीजी में अपने छह विकेटों के दम पर 15 रेटिंग अंक हासिल किए जिससे वह एक पायदान चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। कमिंस ने चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 184 रन की जीत के दौरान दो पारियों में 90 महत्वपूर्ण रन बनाने के बाद टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की पहली पारी में 82 रन की पारी ने उन्हें 854 रेटिंग अंकों के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी के पहले टेस्ट शतक ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 स्थान ऊपर 53वें नंबर पर पहुंचा दिया।

### गंभीर ने टीम को आड़े हाथों लिया, बेहतर प्रदर्शन करें या बाहर होने तैयार रहें

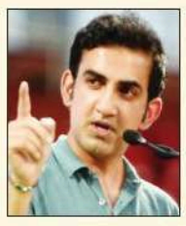

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन से मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद नाराज हैं और उन्होंने इसी कारण टीम को आड़े हाथों लिया। जिस प्रकार से भारतीय टीम ने मेलबर्न में हाथ में आया मैच खो दिया उससे कोच बेहद नाराज बताये गये हैं। मेलबर्न की हार से भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से भी तकरीबन बाहर हो गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण भड़के गंभीर ने हर किसी को जमकर फटकारा और कहा, बस बहुत हो गया अब उन्हें संभल जाना चाहिये। गंभीर ने इस दौरान नाम लिए बिना ही स्वाभाविक गेम खेलने के नाम पर आउट होने के लिए अलग-अलग बहाने ढूंढने वाले खिलाड़ियों को भी चेतावनी दी। माना जा रहा है कि उनका संकेत विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की ओर था। गंभीर के कोच पद संभालने के बाद से ही से अब तक का टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उनके कोच पद संभालने के बाद टीम को केवल बांग्लादेश पर जीत मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे हार का सामना करना पड़ा। ड्रेसिंग रूम में कोच ने एक लाइन में कहा कि अगर टीम की योजना के अनुसार नहीं चल सकते हैं तो बाहर जाने के लिए तैयार रहें। गंभीर ने कहा कि उन्होंने पिछले 6 महीने टीम को अपने अनुसार खेलने की आजादी दी थी पर उससे नुकसान ही हुआ है। अब टीम को उनके अनुसार खेलना होगा। मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम को ने केवल सिडनी में जीतना होगा, बल्कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

## जोकोविच ने कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर बनाई रणनीति, नए खिलाड़ियों को देंगे चुनौती

ब्रिस्बेन। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक के रूप में एकमात्र खिताब जीत पाए थे लेकिन अब उन्होंने नए कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर यानिक सिनर और कार्लोस अल्कराज जैसे युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए नई रणनीति तैयार की है। वर्तमान में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी 23 वर्षीय सिनर ने बीते साल ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन तथा 21 वर्षीय अल्कराज ने विंबलडन और फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के खिताब जीते थे। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने पहले दौर का मैच जीतने के बाद 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले मर्रे के साथ मिलकर अपने युवा प्रतिद्वंदियों के वीडियो देखकर उनके खेल का आकलन किया है।

अपने 100वें एटीपी खिताब की कवायद में लगे जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रिंकी हिजिकाटा को 6-3, 6-3 से हराने के बाद कहा कि वह मर्रे साथ मिलकर अपने खेल में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपने खेल में आमूलचूल बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं जियोवानी (फ्रांस का 21 वर्षीय स्टार जियोवानी एमपेत्शी पेरीकार्ड) की तरह नहीं बनने जा रहा हूं, जो पहले दो सर्विस करके नेट पर आ जाए।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं निश्चित रूप से सुधार करना चाह रहा हूं, भले ही यह मामूली हो। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हूं। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े, चाहे युवाओं के साथ कितने भी घंटे खेलना पड़े।'

## पंजाब किंग्स को इस साल आईपीएल खिताब जिता पायेंगे श्रेयस?

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि घरेलू क्रिकेट खिताबों के बाद अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

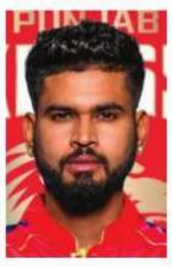


## चैंपियंस ट्रॉफी के पुन: आयोजन पर बोले एफआईएच अध्यक्ष, हमें कैलेंडर में जगह चाहिए

**राउरकेला (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने बुधवार को प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की लेकिन साथ ही उन्होंने पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट को शामिल करने की मुश्किलों को भी उजागर किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 1978 में एक सालाना टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुई और 2014 में यह द्विवार्षिक हो गई। यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल था जो केवल विश्व कप और ओलंपिक से पीछे था। इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था। इसके बाद एफआईएच ने इसे बंद कर दिया था।

इकराम ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'हम इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है। लेकिन हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है।' उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए 'बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट' शुरू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों से परे देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था। शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है। एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है।'

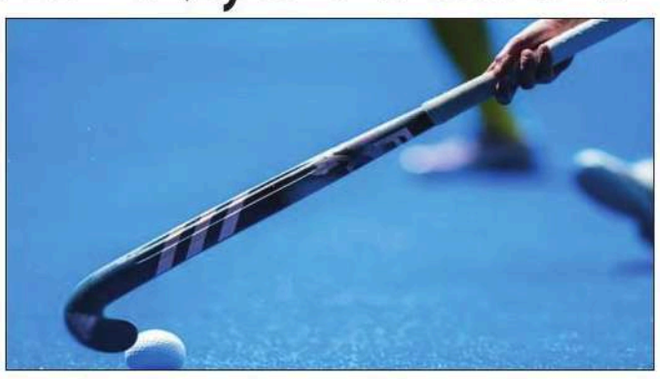

उन्होंने कैलेंडर की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच की खाई को पाटने के महत्व को रेखांकित किया। इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा। इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा।'

एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है। इसके बारे में बोलते हुए इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट' नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है। इकराम ने इसके बारे में अधिक जानकारी दिये बिना कहा, 'पिछले साल के अंत में मैंने हमारे प्रतियोगिता विभाग और प्रो लीग टीम के साथ एक बैठक की थी। हम 'प्रो लीग कनेक्ट नामक' की एक परियोजना शुरू कर रहे हैं।'

## इंग्लैंड के पूर्व किकेटर ने नितीश की तुलना डिविलियर्स से की

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व किकेटर मार्क निकोलस ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। निकोलस ने कहा कि जिस प्रकार से नितीश ने मेलबर्न टेस्ट में बल्लेबाजी की थी उससे तय है कि वह विश्व क्रिकेट के दूसरे ए बी डिविलियर्स बनकर उभरेंगे। निकोलस ने इस प्रकार नितीश की तुलना डिविलियर्स से की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जाने जाते हैं। नितीश को लेकर निकोलस ने कहा कि, फ्उनकी ट्रिगर मूवमेंट मुझे डिविलियर्स की याद दिलाती है जिस तरह से वह पीछे जाते हैं और आगे की ओर दबाव डालते हैं, वैसा डिविलियर्स ही करते थे। इसी कौशल से डिविलियर्स ने जमकर रन बनाये हैं। यही अब नितीश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मुझे उनका साहस और अपना समर्थन करने की क्षमता पसंद है। वह शीर्ष पर जाने और दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अगले मैच में छह बल्लेबाजों और फिर पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को रखना चाहिये और नितीश को शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल किया जाना चाहिये। इस सीरीज में नितीश ने अबतक खेले 4 मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 294 रन बनाये हैं।

## हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था। इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, 'फिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, 'मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। कमिंस ने कहा, 'यह आम तौर पर किया जाने वाला मजाक है हालांकि हेड का जश्न पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पसंद नहीं आया जिन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई की मांग की और इसे 'घृणित बताया।

## सैमी अप्रैल में संभालेंगे पद

जमैका। वेस्टंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी अप्रैल में वेस्टइंडीज टीम के कोच पद को संभालेंगे। सैमी ने वेस्टइंडीज की ओर से 232 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने दो बार टी20 विश्व कप जीता है। अब बोर्ड ने उन्हें तीनों प्रारुपों में कोच की जिम्मेदारी दी है। सैमी को 2023 में सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में कोच बनाया गया था। सैमी को तब आंद्रे कोल की जगह एकदिवसीय और टी20 टीम का कोच बनाया गया था। इससे पहले सैमी लाल गेंद क्रिकेट में वेस्टइंडीज टीम के अंतरिम कोच थे। सैमी ने बतौर कोच जून में यूएई के खिलाफ एकदिवसय में पहली बार कोचिंग की। विंडीज के पूर्व विकेटकीपर कूले ने पिछले साल जुलाई में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में अंतिम बार कोचिंग की थी। सैमी के मार्गदर्शन में वेस्टइंडीजी ने सफेद गेंद क्रिकेट में यूएई के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीती थी जबकि बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। इसके बावजूद टीम विश्वकप क्वालीफायर के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। टीम पिछले काफी समय से एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। उसे भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार मिली। वहीं उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश से ड्रॉ खेला। उसका टेस्ट में सबसे अच्छा प्रदर्शन जनवरी 2024 में आया। तब उसने ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा में हराया था। वेस्टइंडीज ने 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 11 में से सिर्फ 2 टेस्ट मैच जीते जबकि 7 में उसे हार मिली। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में वेस्टइंडीज सबसे निचले स्थान पर है।

## विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज : मैगनस कार्लसन और नेपोमनिशी सयुंक्त विजेता, महिला वर्ग मे वेंजून जीती, वैशाली को कांस्य पदक

**न्यू यॉर्क (एजेंसी)।** फीडेविश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का समापन गत वर्ष की अंतिम संध्या को सम्पन्न हो गया और इस बार रोचक तौर पर पुरुष वर्ग में एक की जगह हमें दो विजेता मिले, नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और रूस के यान नेपोमनिशी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट के सयुंक्त विजेता रहे जबकि महिला वर्ग में यह खिताब चीन की मौजूदा क्लासिकल विश्व चैम्पियन जू वेंजून नें अपने नाम किया, भारत की वैशाली नें कांस्य पदक अपने नाम किया।

पुरुष वर्ग में क्वाटर फाइनल में मैगनस कार्लसन नें यूएसए के नीमन हंस को 2.5-1.5 से और सेमी फाइनल में पोलैंड के यान डूड़ा को 3-0 से मात देते हुए फाइनल में प्रवेश किया, वहीं रूस के यान नेपोमनिशी नें क्वाटर फाइनल में हमवतन मुरजिन वोलोदर को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल मे यूएसए के वेसली सो को 3-2 से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

बेस्ट ऑफ 4 के मुक़ाबले में कार्लसन नें पहले दो मुक़ाबले जीतकर 2-0 से बढ़त बना ली थी और नेपो की हार तय नजर आ रही थी पर नेपो नें शानदार वापसी करते हुए लगातार दो जीत के साथ स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद टाईब्रेक के तौर पर लगातार तीन मुक़ाबले बेनतीजा रहे और उसके बाद मैगनस कार्लसन नें नेपोमनिशी को सयुंक्त विजेता बनने का प्रस्ताव दिया नेपो मान गए पर नियमानुसार परिणाम आने तक मुक़ाबले होने थे, दोनों ने यह प्रस्ताव फीडे को दिया और इसे स्वीकार कर लिया गया और दोनों को सयुंक्त विजेता घोषित कर दोया गया। इस परिणाम को लेकर दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों और शतरंज प्रेमियों के बीच एक नयी बहस छिड़ गयी है। सेमी फाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों यान डूड़ा और वेसली सो को कांस्य पदक दिया गया और इस तरह रजत पदक किसी को मिला ही नहीं !

महिला वर्ग में चीन की जू वेंजून नें हमवतन लेई टिंगजे को एक बेहद कड़े मुक़ाबले में 3.5-2.5 से पराजित करते हुए खिताब जीतकर अपना पहला ब्लिट्ज़ खिताब हासिल कर लिया। वेंजून नें क्वाटर फाइनल में रूस की गुनिना वालेंटीना को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल में भारत की आर वैशाली को इसी अंतर से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई जबकि लेई टिंगजे नें कज़ाकिस्तान की बीबीसारा को 2.5-1.5 और रूस की लागनों काटेरयना को 3.5-2.5 से मत देते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

लीग चरण में शीर्ष में रहने वाली भारत की आर वैशाली को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, पर शतरंज के इस फॉर्मेट में यह उनका पहला पदक है। भारत को कोनेरु हम्पी को भी रैपिड का स्वर्ण पदक दिया गया और इस तरह भारत नें दो पदको के साथ टूर्नामेंट और साल का अंत किया।

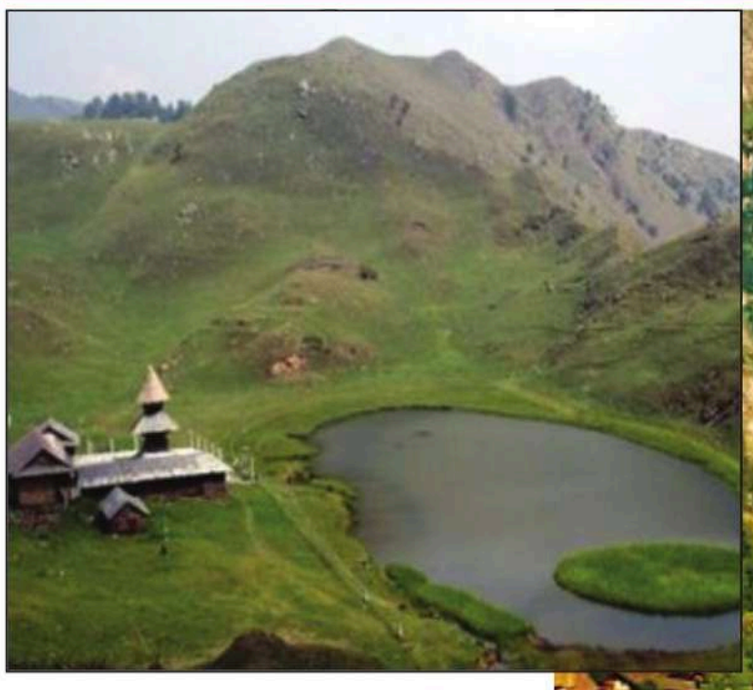

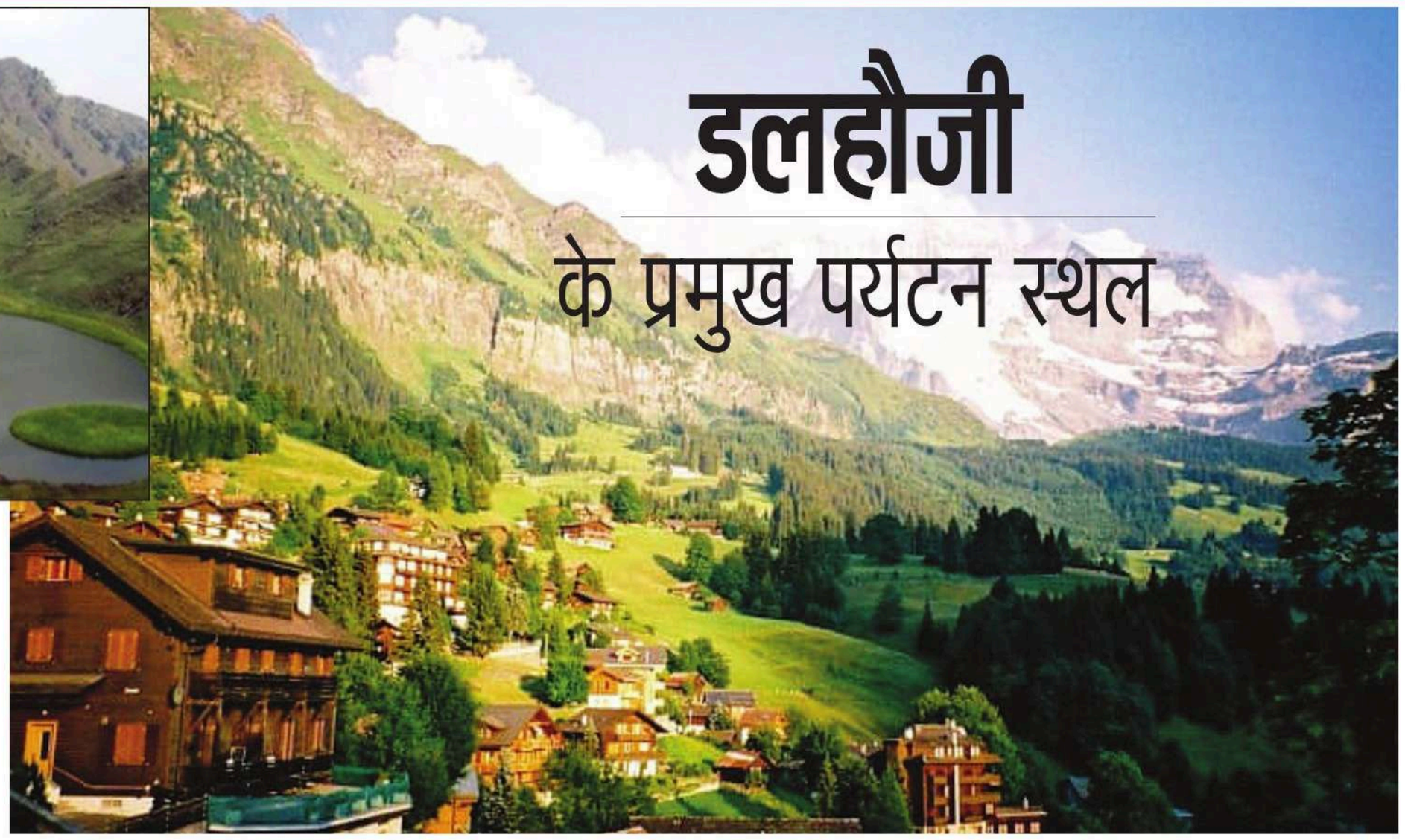

# डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

# भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

**अगर** आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

## सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

## सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

## सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

### बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

### सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

### सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

### डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

### गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

### चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

### रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

### खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

### पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

## डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

**हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें:** हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

**रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें:** डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

**सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें:** डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

# स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

**रेणुका झील** हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

## रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित है। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड़यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

## रेणुका झील कैसे पहुंचें

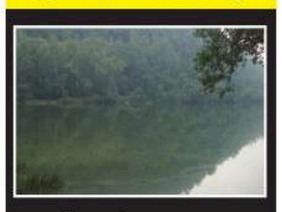

### हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

### रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

### सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

# क्या रिलेशनशिप में हैं हनी सिंह? खुद कहा-'मैं पैशेनेट लव में हूं'

हाल ही में नेटफ्लिक्स पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'यो यो हनी सिंह - फेमस' का प्रीमियर हुआ है। यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म रैपर-सिंगर हनी सिंह की जिंदगी पर रोशनी डाल रही है। खबरों और सिंगिंग की चकाचौंध से अलग भी हनी की एक शख्सियत है, उसके बारे में डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है। हाल ही में नेटफ्लिक्स के यूट्यूब चैनल पर एक पॉडकास्ट में हनी सिंह नजर आए, जिसमें उन्होंने अपनी लव लाइफ पर भी बात की है।

### पैशेनेट लव में हनी सिंह

पॉडकास्ट में हनी सिंह ने अपनी डॉक्यूमेंट्री, म्यूजिक, पर्सनल लाइफ पर बात की। अचानक वह शो के होस्ट को बताने लगे कि वह इस समय पैशेनेट लव में हैं। हनी कहते हैं, 'मैं खतरनाक इश्क में हूं।' वह आगे कहते हैं कि मैं हमेशा गहरा प्यार किया है। हनी सिंह यह बात बताते हुए शरमा भी रहे थे। हनी का यह अंदाज देकर शो के होस्ट भी मुस्कुरा दिए।

### पहले हो चुका है तलाक

हनी सिंह की पहली शादी टूट चुकी है लेकिन वह प्यार में पूरा यकीन रखते हैं। यही कारण है कि उन्होंने अपने सीरियस रिलेशनशिप में होने की बात कही है। बताते चलें कि हनी सिंह की पूर्व पत्नी का नाम शालिनी तलवार है। वह उनकी बचपन की गर्लफ्रेंड थी, दोनों की शादी 11 साल चली, लेकिन बाद में हनी सिंह और शालिनी की राहें जुदा हो गई।

### रैप म्यूजिक के लिए बनाई राह

हनी सिंह ने जब भारत में बतौर रैप सिंगर शुरुआत की थी तो उन्होंने तहलका मचा दिया था। उन्होंने रैप सिंगिंग के लिए भारत में एक नई राह बनाई। हनी सिंह ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी हिट गाने गाए हैं, जिसमें शाहरुख और सलमान खान की फिल्में भी शामिल रही हैं। लेकिन हनी की जिंदगी में डाउनफॉल भी आया, जब वह मानसिक समस्या और बुरी लत का शिकार हो गए। अब एक बार फिर हनी सिंह ने कमबैक किया है, साथ ही अपनी बुरी आदतों से भी छुटकारा पा लिया है।

# एस एस राजामौली की फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा बीते लंबे समय से इंडियन सिनेमा में कमबैक का इंतजार कर रही हैं। कुछ समय पहले प्रियंका फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा से कमबैक करने वाली थीं, हालांकि अब ये फिल्म बंद होती नजर आ रही है। इसी बीच प्रियंका ने एस एस राजामौली की अपकमिंग तेलुगु फिल्म साइन कर ली है। ये फिल्म अफ्रीकी जंगल एडवेंचर पर आधारित होने वाली है, हालांकि अब तक इसका टाइटल तय नहीं किया गया है। फिल्म में महेश बाबू एक रिसर्चर की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, बाहुबली और आरआरआर की कामयाबी के बाद एस एस राजामौली महाकाव्य पर फिल्म बना रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2025 से शुरू करेंगी, वहीं महेश बाबू के साथ फिल्म 2026 में फिलमाई जाएगी।

### पैन इंडिया फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका

रिपोर्ट के अनुसार ये तेलुगु फिल्म पैन इंडिया होने वाली है, जिसे हिंदी, तमिल, मलयाली और कन्नड़ भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म के लिए एस एस राजामौली ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में थे, जो ग्लोबली पहचान रखती हों। बीते 5-6 महीने में उन्होंने कई बार प्रियंका से मुलाकात की और उनका नाम फाइनल किया। इस फिल्म को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने के लिए डिज्नी और सोनी पिक्चर्स जैसे बड़े स्टूडियोज से बात जारी है।

### डब्बा बंद होने की कगार परजी ले जरा

साल 2021 में फरहान अख्तर ने फिल्म जी ले जरा की अनाउंसमेंट की थी, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ लीड रोल निभाने वाली थीं। हालांकि अब तक फिल्म डेवलपमेंट से जुड़ी कोई अपडेट सामने नहीं आई है। समय-समय पर खबरें आती रही हैं कि कटरीना और प्रियंका ने फिल्म छोड़ दी है। प्रियंका चोपड़ा की बात करें तो वो आखिरी बार भारतीय बड़े पर्दे की फिल्म द स्काय इज पिंक (2019) में नजर आई थीं। इसके बाद वो नेटफ्लिक्स की फिल्म द व्हाइट टाइगर (2021) में नजर आ चुकी हैं। बॉलीवुड या इंडियन न सही प्रियंका के पास हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में हैं। वो जल्द ही द ब्लफ और हैड ऑफ स्टेट्स जैसी हॉलीवुड फिल्मों में दिखेंगी।

# दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की वीडी 12

विजय देवरकोंडा वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका संभावित नाम वीडी 12है। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह के बीच निर्माता नागा वामसी ने फिल्म पर एक बड़ा अपडेट साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के बारे में बताया। साथ ही कई दिलचस्प बातों का भी खुलासा किया।

### आगे खिसकेगी फिल्म की रिलीज डेट

हाल ही में उन्होंने बताया कि वीडी 12 दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, अगर पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज उसी दिन पक्की हो जाती है तो फिल्म की रिलीज 28 मार्च से आगे बढ़ाई जा सकती है।

### शूटिंग के दौरान विजय को लगी चोट

फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए नागा वामसी ने कहा, वीडी 12 अपने पैमाने से सभी को चौंका देगी। कई लोगों का मानना है कि यह चुपचाप बनाई जा रही एक छोटी फिल्म है, लेकिन यह ठोस है और बड़े पर्दे पर एक बड़ी ट्रीट होगी। इस बीच पहले खबर आई थी कि विजय देवरकोंडा को वीडी 12 के लिए एक चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया और तय समय पर काम करना जारी रखा।

### चोट के बाद भी विजय ने जारी रखी शूटिंग

विजय की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने काम से लंबा ब्रेक लिया और अब वे दमदार वापसी करने की तैयार में हैं। ऐसे में वे इस फिल्म पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा वीडी 12 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी होने के करीब है। पहले खबर आई थी कि अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में शामिल हो गए हैं।

### भाग्यश्री बोरसे होंगी मुख्य अभिनेत्री

खबर है कि वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सत्यदेव का किरदार नकारात्मक होगा। फिल्म की कहानी का मुख्य आकर्षक कहानी विजय देवरकोंडा और सत्यदेव के बीच के दृश्य होंगे। सत्यदेव ने कोविड-19 के दौरान लगातार हिट फिल्मों के साथ लोकप्रियता प्राप्त की। उनकी नई फिल्म जेबरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और वर्तमान में ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

# पेरेंट्स के तलाक को लेकर बोलीं श्रुति हासन

**श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पेरेंट्स कमल हासन और सारिका के तलाक को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे उनके पेरेंट्स के डिवोर्स ने बाद उन्हें फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने का मतलब समझ आया था। उन्होंने कहा कि पेरेंट्स ने अलग होने से पहले साथ रहने की काफी कोशिश की थी।**

### पेरेंट्स के तलाक के बाद लाइफ में सब बदल गया था

श्रुति हासन ने फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट पर बात करते हुए कहा- मैं एक बहुत ही खूबसूरत परिवार में पैदा हुई। मुझे इंटेलीजेंट पेरेंट्स मिले और भगवान की कृपा से सभी फैसिलिटी मिली। लेकिन मैंने इसकी दूसरी साइड भी देखी है। जब मेरे माता-पिता अलग हुए थे, तो मेरी लाइफ में सब कुछ बदल गया था।

### मैंने अपनी मां से काफी कुछ सीखा है

एक्ट्रेस ने आगे कहा- 'पेरेंट्स के अलग होने के बाद ही मुझे फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने का मतलब समझ आया था। उस वक्त मुझे एहसास हुआ कि हर किसी को आर्थिक रूप से स्वतंत्र क्यों होना चाहिए। जब मैंने अपनी मां को देखा तो लगा कि एक बेटी होने के नाते मुझे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहिए। कोई भी फैसला लेना काफी मुश्किल होता है, लेकिन उससे भी ज्यादा मुश्किल होता है, जब आप किसी पर डिपेंड होते हैं।'

### तलाक बुरा फैसला होता है

श्रुति हासन ने कहा कि तलाक काफी बुरा फैसला होता है। न केवल बच्चे बल्कि पेरेंट्स भी यह दर्द महसूस करते हैं। हालांकि, अब चीजे काफी नॉर्मल हो गई हैं। अभी भी ऐसे कई घर हैं, जहां समाज की खातिर माता-पिता एक साथ रहते हैं। यह ज्यादा खराब होता है क्योंकि दोनों के मन में दर्द छुपा होता है।

### सालार में नजर आई थीं श्रुति हासन

वहीं बात करें वर्कफ्रंट की तो श्रुति हासन को आखिरी बार प्रभास के साथ फिल्म सालार- पार्ट 1- सीजफायर में देखा गया था। प्रशांत नील की निर्देशित इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी थे।

# सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म में आएंगी नजर

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी साउथ सिनेमा में एक प्रमुख चेहरा रे रूप में उभरकर सामने आई हैं। केजीएफ के बाद से ही उनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ चुकी है। हालांकि, इसके बाद आई उनकी फिल्म कोबरा बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं छोड़ पाई। इसके बावजूद श्रीनिधि का जादू फीका नहीं पड़ा है। उन्हें सिद्दू जोन्नालगड्डा की तेलुसु कड़ा और नानी की हिट 3 जैसी फिल्मों में साइन किया गया है। अब उनकी एक नई फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीनिधि शेट्टी साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ जल्द ही स्क्रीन साझा करती नजर आ सकती हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें साइन किया गया है।

### नेल्सन बना रहे फिल्म

जेलर 2 का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार करेंगे। इसे सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। पहले भाग के गाने लोगों के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। जल्द आ सकती है आधिकारिक जानकारी इसके बारे में और अधिक जानकारी आधिकारिक रूप से नए साल या फिर पोंगल के मौके पर आ सकती है। माना जा रहा है कि यह फिल्म श्रीनिधि के करियर के लिए एक टर्निंग प्वॉइंट साबित हो सकती है।

# दृश्यम 3 को लेकर मोहनलाल का खुलासा?

अभिनेता मोहनलाल ने खुलासा किया है कि दृश्यम की स्क्रिप्ट को उनके पास लाने से पहले निर्देशक जीतू जोसेफ ने पहले कई अभिनेताओं को इसकी स्क्रिप्ट सुनाने में कई साल लगा दिए। दृश्यम 3 को भी लेकर मोहनलाल ने अहम जानकारी दी। मोहनलाल ने हाल ही में स्वीकार किया कि उन्होंने दृश्यम की कोई भी रीमेक पूरी नहीं देखी है, यहां तक कि अजय देवगन अभिनीत फिल्में भी नहीं देखी हैं। दृश्यम की रिलीज को 11 साल बीत चुके हैं, लेकिन निर्देशक जीतू जोसेफ की दृश्यम क्राइम-थ्रिलर जॉनर में एक बेंचमार्क बनी हुई है। दुनिया भर में 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने वाली पहली मलयालम फिल्म, दृश्यम ने मलयालम सिनेमा की दिशा को नया आकार दिया, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। फिल्म दृश्यम को कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में भी बनाया गया था और एक आधिकारिक अंग्रेजी रीमेक भी पाइपलाइन में है। दृश्यम में मोहनलाल, मीना, आशा सरथ, अंसिबा हसन, एस्तेर अनिल और सिद्दीकी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई। इसके सीक्वल दृश्यम 2 का प्रीमियर 2021 में हुआ, जिसे भी दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। अब दृश्यम 3 को लेकर एक अपडेट सामने आया है। मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने हाल ही में दृश्यम फ्रेंचाइजी के भविष्य के बारे में बात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहनलाल ने कहा, जेतू के पास दृश्यम की स्क्रिप्ट फिल्म (पहला भाग) की शूटिंग से कम से कम पांच साल पहले तैयार थी। उन्होंने उस स्क्रिप्ट के साथ कई लोगों से संपर्क किया, लेकिन यह कारगर नहीं हुआ क्योंकि वे संतुष्ट नहीं थे। आशीर्वाद सिनेमाज के एंटनी पेरुंबवूर ने मुझे सूचित किया और पूछा कि क्या मैं इसे सुन सकता हूं। जब मैंने इसे सुना, तो मुझे लगा कि यह स्क्रिप्ट के लिहाज से अविश्वसनीय है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहनलाल ने कहा, एक फिल्म कैसे हिट होती है? यह तब होता है जब इसमें कुछ ऐसा होता है जिसे आप देखने के बाद घर वापस ले जा सकते हैं, चाहे वह कोई गीत हो या कोई सीन हो। दृश्यम में, मुख्य बिंदु परिवार के लिए प्यार था। मोहनलाल ने याद करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने कोरोना जैसी महामारी की वजह से फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने का विकल्प चुना। हालांकि, यह निर्णय फिल्म के लिए फायदेमंद साबित हुआ, क्योंकि इसे दुनिया भर में प्रशंसा मिली, दुनिया के कई हिस्सों से लोगों ने इसे ऑनलाइन देखा, जिससे मलयालम फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहनलाल ने कहा, पूरी दुनिया में लोगों ने दृश्यम देखी। मैं हाल ही में गुजरात में शूटिंग कर रहा था और फ्लाइट में कई गुजराती लोगों ने मुझसे फिल्म के बारे में बात की। इसने मलयालम सिनेमा को पूरे भारत में पहचान दिलाई। अब, हम दृश्यम 3 के साथ आने की कोशिश कर रहे हैं।

# फहद फासिल नहीं बनेंगे पुष्पा3 का हिस्सा!

पुष्पा 2 हाल के दिनों में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक है, इसने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फहद फासिल ने पुष्पा 2 में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाई थी और वह पुष्पा 3 में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। हालांकि, नई चर्चाएं ये हैं कि वह तीसरे भाग को करने के लिए उत्सुक नहीं हैं और पुष्पा 3 से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, इस खबर की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह मलयालम फिल्म हलकों में वायरल हो गई है। दूसरे भाग में फहद की भूमिका को सस्पेंस मोड में रखा गया था और आम धारणा यह है कि वह तीसरे भाग में वापसी करेंगे। हालांकि, अब खबरें हैं कि फहद अपने किरदार से निराश भी हैं, ऐसे में वे फिल्म की तीसरी किस्त से बाहर हो सकते हैं। अगर ये खबरें सच हैं तो अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि तीसरे भाग में मुख्य खलनायक की भूमिका कौन निभाएगा?

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267